प्रमुख जैन पर्व

कार्तिक (अक्टूबर - नवम्बर)
मार्गशीर्ष (नवम्बर - दिसम्बर)
पोष (दिसम्बर - जनवरी)
माघ (जनवरी)
फाल्गुन (फरवरी - मार्च)
चैत्र (मार्च)
बैशाख (अप्रेल)
प्र० ज्येष्ठ (मई)
द्वि० ज्येष्ठ (मई - जून)
आषाढ़ (जून - जुलाई)
श्रावण (जुलाई - अगस्त)
भाद्रपद (अगस्त - सितम्बर)
अश्विन (सितम्बर - अक्टूबर)

१. प्रत्येक अष्टमी और चतुर्दशी	
२. अष्टाह्निका व्रत	कार्तिक शुक्ला ८ से १५ तक
	फाल्गुन शुक्ला ८ से १५ तक
	आषाढ़ शुक्ला ८ से १५ तक
३. षोडश कारण	माघ कृष्णा १ से फाल्गुन कृष्णा १ तक
	चैत्र कृष्णा १ से वैशाख कृष्णा १ तक
	भाद्रपद कृष्णा १ से आसोज कृष्णा १ तक।
४. दशलक्षण	माघ शुक्ला ५ से १४ तक,
	चैत्रशुक्ला ५ से १४ तक,
	भाद्रपद शुक्ला ५ से १४ तक।
५. रत्नत्रय	माघशुक्ला १३ से १५ तक,
	चैत्रशुक्ला १३ से १५ तक,
	भाद्रपद शुक्ला १३ से १५ तक।
६. रोटतीज	भाद्रपद शुक्ला ३
७. शील सप्तमी	भाद्रपद शुक्ला ७
८. सुगंधदशमी	भाद्रपद शुक्ला १०
९. अनन्त चतुर्दशी	भाद्रपद शुक्ला १४
१०. क्षमावाणी	आसोज कृष्णा १
११. ऋषभनिर्वाणोत्सव	माघ कृष्णा १४
१२. महावीर जयन्ती	चैत्र शुक्ला १३
१३. अक्षयतृतीया	वैशाख शुक्ला ३
१४. श्रुतपंचमी	ज्येष्ठ शुक्ला ५
१५. वीरशासन जयन्ती	श्रावण कृष्णा १
१६. मोक्ष सप्तमी	श्रावण शुक्ला ७
१७. रक्षा बंधन	श्रावण शुक्ला १५

१८. श्री महावीर निर्वाणोत्सव दीपावली : कार्तिक कृष्णा अमावस्या।

१९. हर माह बदी (कृष्ण पक्ष), सुदी (शुक्ल पक्ष)